

## अध्याय - 2

जीवन बीमा में क्या सम्मिलित है ?

**1. जीवन बीमा व्यापार - तत्व, मानव जीवन मूल्य, पारस्परिकता**

(क) आस्ति: मानव जीवन मूल्य (एच एल वी)

(ख) मानव जीवन मूल्य (एच एल वी) की अवधारणा में मानव जीवन को एक सम्पत्ति या आस्ति के रूप में माना जाता है जो कि आय अर्जित करती है।

(ग) यह किसी व्यक्ति की भविष्य कि आशातीत आय के आधार पर मानव जीवन के मूल्य को मापती है।

**2. जन-सामान्य द्वारा सामना किए जाने वाले प्रतीकात्मक जोखिम**

(क) अति-शीघ्र मृत्यु

(ख) अतिजीवता

(ग) अक्षमता के साथ जीवित रहना

**3. स्तर प्रीमियम एक ऐसा प्रीमियम है जिसमें आयु के बढ़ने पर प्रीमियम में वृद्धि नहीं होती बल्कि यह सम्पूर्ण अनुबन्ध-काल में समान रहता है।**

**4. स्तर प्रीमियम में दो तत्व होते हैं**

(क) अवधि या संरक्षण तत्व: इसमें प्रीमियम का वह भाग होता है जिसकी वास्तव में जोखिम का मूल्य भुगतान करने की आवश्यकता होती है।

(ख) नकद मूल्य तत्व: यह पॉलिसीधारक के संचित अतिरिक्त भुगतान से निर्मित होता है। यह बचत तत्व का निर्माण करता है।

**5. पारस्परिकता एवं विविधता:**

वित्त बाजार में पारस्परिकता जोखिम को कम करने के महत्वपूर्ण उपायों में से एक है, दूसरा विविधता।

**6. विविधता**

(क) विविधता के अन्तर्गत निधियों को विभिन्न आस्तियों में विस्तारित कर दिया जाता है। (अण्डों को भिन्न-भिन्न टोकरीयों में रखना)।

(ख) विविधता के अन्तर्गत हम अपनी निधियों को एक स्रोत से कई स्थानों पर वितरित कर देते हैं।

**7. पारस्परिकता**

(क) पारस्परिकता या पूलिंग के अन्तर्गत भिन्न-भिन्न व्यक्तियों की निधियों को सम्मिलित किया जाता है (सभी अण्डों को एक टोकरी में रखना)।

(ख) पारस्परिकता के अन्तर्गत हम निधियों को कई स्रोतों से एक में रखते हैं।